

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय नींबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नागपुर, 18 सितंबर 2026: केंद्रीय नींबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान (ICAR-CCRI), नागपुर में दिनांक 18 सितंबर 2026 को दोपहर 3:00 बजे से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. यू. आर. सांगले (प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी) ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों से अवगत कराया। इसके पश्चात् संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन पाटील ने अपने अध्यक्षीय भाषण में दैनिक अनुसंधान एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आग्रह किया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. सुनील नीलकंठ रोकडे (सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान) ने "कृषि के क्षेत्र में हिंदी का महत्व तथा मेरे व्यक्तिगत अनुभव" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. रोकडे ने कहा कि कृषि एवं पशुविज्ञान अनुसंधान की नवीनतम तकनीकों और उपयोगी जानकारी को देश के किसानों तक सरलता से पहुँचाने में हिंदी भाषा की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अपने 35 वर्षों के अनुसंधान व विस्तार कार्यों , हिंदी में 300 से अधिक प्रकाशनों तथा राजभाषा क्षेत्र में प्राप्त अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।



**भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय नींबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, नागपुर
में 'हिन्दी सप्ताह' का समापन समारोह आयोजित**

नागपुर: भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय नीबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, अमरावती रोड, नागपुर में 14 से 21 सितंबर 2026 तक आयोजित 'हिन्दी सप्ताह' का समापन समारोह 21 सितंबर 2026 को संस्थान परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

समारोह की शुरुआत 'वंदे मातरम्' गीत एवं परिषद गीत के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा. अजय सिंह राजपूत (क्षेत्रीय निदेशक एवं पूर्व उप-आयुक्त, क्षेत्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केंद्र, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय प्रभारी निदेशक एवं राजभाषा अधिकारी डा. यू. आर. सांगले, द्वारा दिया गया, जिसके पश्चात् प्रभारी निदेशक महोदय द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन डा.व्यंकटरामन बंसोड़े, वैज्ञानिक द्वारा किया गया। अपने मुख्य संबोधन में डा. अजय सिंह राजपूत ने कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के व्यावहारिक उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पत्राचार में छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर, जैसे कोई भी पत्राचार करते समया केवल पत्र के विषय को हिन्दी में लिखकर भी उसे हिन्दी पत्राचार की गणना में शामिल कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन छोटी-छोटी प्रक्रियाओं को अपनाकर हम कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा दे सकते हैं। अपने भाषण के अंतिम चरण में उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि "जिस प्रकार हम अपनी मातृभूमि से प्रेम, उसका आदर और सम्मान करते हैं, उसी प्रकार हमें हिन्दी भाषा को भी मातृभाषा समझकर उसका पूर्ण आदर और सम्मान करना चाहिए।

इस संस्थान के अंतर्गत क्षेत्रीय नीबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, बिस्वनाथ चारिआलि, असम में हिन्दी सप्ताह समारोह 2026 का यही तिथि में उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया।

इस समारोह के दौरान सप्ताह भर (14 से 21 सितंबर) आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे हिन्दी लेख प्रतियोगिता, हिन्दी शब्द ज्ञान प्रतियोगिता, तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। इसके पश्चात् निदेशक महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्थान में राजभाषा के प्रगतिशील प्रयोग की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में श्री आदित्य परसोदिया (प्रशासनिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, रा.भा.का.स.) द्वारा सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम कि कुछ झलकियाँ

